NIIF की शासी परिषद की 5वीं बैठक

प्रिलिम्स के लिये:

NIIF, NBFC, PPP परियोजनाएँ, नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन, PM गतिशक्ति, नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर

मेन्स के लिये:

संसाधन जुटाना, वृद्धि और विकास, बुनियादी ढाँचा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री ने राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष (NIIF) की **शासी परिषद (GC) की 5वीं बैठक** की अध्यक्षता की।

बैठक की मुख्य विशेषताएँ:

- **इंडिया-जापान फंड:**
  - एक समझौता ज्ञापन में NIIF और जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (JBIC) ने NIIF का **पहला द्विपक्षीय कोष- "इंडिया-जापान फंड" स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है,** जिसमें भारत सरकार (GoI) द्वारा भी योगदान किया जाएगा।
  - इस समझौता ज्ञापन पर हाल ही में **9 नवंबर, 2022 को हस्ताक्षर किये गए थे।**
- **NBFCs:**
  - शासी परिषद (GC) ने इस बात की सराहना की कि NIIF की बहुमत हिस्सेदारी वाली दो इन्फ्रा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) ने अब तक **बिना किसी गैर-निष्पादित ऋण (NPL)** के ही 3 वर्षों में अपनी कंबाइंड लोन बुक को 4,200 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 26,000 करोड़ रुपए कर दिया है।
  - शासी परिषद (GC) ने NIIF को निवेश योग्य सार्वजनिक निजी भागीदारी **PPP परियोजनाओं** की एक पाइपलाइन बनाने हेतु केंद्र और राज्य सरकारों की सहायता करने के लिये अत्यंत सक्रियतापूर्वक **सलाहकारी गतिविधियाँ शुरू करने का भी निर्देश दिया।**
- **विभिन्न योजनाओं के तहत अवसरों की खोज:**
- वित्त मंत्री ने NIIFL टीम को **राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचा पाइपलाइन,** PM गतिशक्ति और राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचा **गलियारे के तहत** अवसरों का पता लगाने के लिये भी प्रोत्साहित किया।
  - इन योजनाओं में निवेश योग्य ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड निवेश परियोजनाओं का एक बड़ा पूल शामिल है, तथा उन अवसरों में अधिक से अधिक वाणिज्यिक पूंजी का निवेश करना है।
- **तीन निधियों की स्थिति:**
  - GC को वर्तमान में NIIFL द्वारा प्रबंधित 3 फंडों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया गया था :
    - **मास्टर फंड:** मुख्य रूप से सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डे, बिजली आदि जैसे मुख्य बुनियादी ढाँचे के क्षेत्रों में परिचालन परिसंपत्तियों में निवेश करता है।
    - **फंड ऑफ फंड (FoF):** भारत में बुनियादी ढाँचे और संबंधित क्षेत्रों में अनुभवी फंड प्रबंधकों द्वारा प्रबंधित। ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर, मिड-इनकम एंड अफोर्डेबल हाउसिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज़ तथा संबद्ध क्षेत्र फोकस के कुछ क्षेत्र हैं।
    - **रणनीतिक अवसर कोष (SoF):** एसओएफ की स्थापना भारत में उच्च विकास वाले भविष्य के लिये तैयार व्यवसायों को दीर्घकालिक पूंजी प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। फंड की रणनीति बड़े उद्यमी के नेतृत्व वाले या पेशेवर रूप से प्रबंधित घरेलू चैंपियन और यूनिकॉर्न का पोर्टफोलियो बनाना है।

राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष (NIIF):

- NIIF सरकार समर्थित संस्था है जो **देश के बुनियादी ढाँचा क्षेत्र को दीर्घकालिक पूंजी प्रदान करने के लिये स्थापित की गई है।**
  - NIIF में भारत सरकार की 49% हिस्सेदारी है, **बाकी विदेशी और घरेलू निवेशकों के पास है।**

- केंद्र की महत्त्वपूर्ण हिस्सेदारी के साथ NIIF को भारत का अर्द्ध-संप्रभु धन कोष माना जाता है।
- इसे दिसंबर 2015 में **श्रेणी-II वैकल्पिक निवेश कोष के रूप में स्थापित किया गया था।**
- अपने तीन फंडों में यह 4.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक पूंजी का प्रबंधन करता है।
- इसका रजिस्टर्ड कार्यालय नई दिल्ली में है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न: 'राष्ट्रीय निवेश और बुनियादी ढाँचा कोष' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. यह नीति आयोग का अंग है।
2. वर्तमान में इसके पास `4,00,000 करोड़ रुपए का कोष है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/5th-meeting-of-governing-council-of-niif